संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़, रायपुर

एवं

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर
कृषि मौसम सलाह सेवाएँ

(Project sponsored by IMD,MoES,New Delhi)

http://www.igau.edu.in
http://www.igau.nic.in

0771-2442557

Patron:Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor *Director of Research Services: Dr. S.S. Rao* *Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das*
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary *Research Associate: Sanjay Bhelawe*

Advisory Committee: **Agrometeorology**- Dr.Harsh Vardhan Puranik, **Entomology**-Dr. Sanjay Sharma, **Horticulture**-Dr. G.L Sharma; Dr.G.D.Sahu **Plant Pathology**- Dr. N.Lakpale, Dr. H.K. Singh, **Veg. Science**-Dr. Dhananjay Sharma, **Agronomy** - Dr. H.L. Sonboir, **Animal Science** - Dr.(smt.) N. Kerketta, **FMP** – Er.S.V. Jogdand ,**SWE**-Er.V.M. Victor

वर्ष: 27, क्रमांक: 92 **दिनांक 27.11.2018**

विगत सप्ताह का मौसम:- लभांडी स्थित कृषि मौसम वेधशाला में दर्ज आंकड़ो के अनुसार विगत पाँच दिनो के दौरान सूर्य की तीव्र रोशनी की अवधि 7.5 से 8.6 घंटे के बीच दर्ज की गई। इस दौरान औसतन अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.6 डि.से. (सामान्य से अधिक) तथा 13.8 डि.से. (सामान्य से अधिक) दर्ज किया गया है। इस दौरान हवा की औसत गति व वाष्पीकरण दर क्रमशः 1.3 कि.मी. प्रति घंटा व 3.3 मि.मी. प्रति दिन थी। प्रातः कालीन औसत आर्द्रता व मृदा का तापमान क्रमशः 88 व 18.1 डि.से. दर्ज की गई जबकि यह दोपहर में यह क्रमशः 26 व 40.5 डि.से. दर्ज की गई।

मौसमपूर्वानुमान:- भारत मौसम विज्ञान विभाग रायपुर द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं पर हल्के बादल छाए रहने की संभावना है । इस दौरान हवा में 60-85 प्रतिशत नमी होने की संभावना है। मैदानी क्षेत्रों मे अधिकतम तापमान लगभग 24 से 31°C एवं न्यूनतम तापमान 11 से 17°C के बीच दर्ज किए जाने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा उत्तर-पूर्व एवं दक्षिण-पूर्व दिशाओं से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग 0-3 किलो मीटर/घंटा रहने कि संभावना है।

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य फसले

1. मौसम अनुकूल रहने से रबी फसले जैसे- गेहूं, चना, कुसुम, अलसी, एवं मसूर आदि फसलों की बोनी का कार्य जारी रख सकते हैं।
2. किसान भाई सुरजमुखी, तिल एवं मूँगफली की बुवाई कर सकते हैं।
3. चने के जिन खेतो में उकठा एंव कॉलर राट बीमारी का प्रकोप प्रति वर्ष होता हैं, वहां चने के स्थान पर गेंहू, कुसुम एवं अलसी की बुवाई करें अर्थात फसल चक्र अपनाये।
4. चने में बीजोपचार अवश्य करें। इसके लिए बीजों को कार्बेन्डाजिम दवा 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज + राइजोबियम कल्चर 6-10 ग्राम तथा ट्राईकोडर्मा पाउडर 6-10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
5. छोटे किसान बैल चलित भोरमदेव सीडड्रील का प्रयोग कर चने की कतार बोनी कर सकते हैं।
6. खेत में नमी होने की स्थिति में जीरो टिल सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल का प्रयोग कर चने अन्य फसलों की बुवाई करें।
7. उथली जुताई हेतु रोटावेटर का प्रयोग कर समय एवं ईंधन की बचत करें।

सब्जी

1. शीतकालीन सब्जियों एवं फलों के बीज की व्यवस्था करें तथा सब्जियों हेतु नर्सरी तैयार कर बीज की बुवाई करें।
2. 20 फिरोमेन ट्रेप प्रति हेक्टेयर प्रयोग कर भटा, टमाटर एवं भिंडी फसल में भेदक कीट का नियंत्रण करे।
3. सब्जियों के बीज को बुवाई से पूर्व मेटालेक्सील दवा 1 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।

फल

1. नीबूवर्गीय वृक्षों में बोरेक्स 100 ग्राम प्रति पौध एवं मैग्नीशियम सल्फेट 80 ग्राम प्रति पौध डालकर थालों में गुडाई करें।
2. फलदार उद्यान में सिंचाई की टपक पद्धति का उपयोग कर जल की उपयोगिता ब□ा सकते हैं।

पशुपालन

1. तापमाप में होने वाली गिरावट से होने वाले प्रभाव से बचाव हेतु रात के समय मवेशियों को छतवाले बाड़े में रखे।
2. नवजात बछड़ों मेमनों आदि को ठंड से बचाव हेतु फर्श पर पैरा का गहरा बिछावन बिछाये एवं छत वाले बाड़े में रात को रखें।
3. बहुवार्षिक चारा फसल की कटाई कर ले एवं अतिरिक्त मात्रा का संग्रहण कर रखे।

आर. के .चंद्रवंशी
सयुंक्त संचालक कृषि,
संचालनालय कृषि
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर(छ.ग)

जे.एल.चौधरी
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

डॉ.जी.के.दास
विभागाध्यक्ष
कृषि मौसम विज्ञान विभाग,
इ.गा.कृ.वि.वि रायपुर(छ.ग)